Demand to preserve Majha, Malwai, Doabi and Puadi dialects of Punjab.

श्री सतनाम सिंह संधू (नामनिर्देशित)**:** सर, मेरा कंसर्न क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों को लेकर है। भारत का diverse कल्चर इसकी बहुत बड़ी ताकत है और हमारे देश में सैंकड़ों बोलियां बोली जाती हैं। हमारे देश में 19,000 से भी ज्यादा बोलियां बोली जाती हैं और उनमें से सैंकड़ो बचाऊ हैं। अगर मैं पंजाब का जिक्र करूं, तो पंजाब में 28 डायलक्ट्स थे यानी पंजाबी में 28 बोलियां बोली जाती थीं, जो कि अब चार पर सिमट कर रह गई हैं। पंजाब के जो माझा, मालवा, दोआबा और पुआद रीजन हैं, वे उन बोलियों में बंटे हुए थे। इन बोलियों में अपनी एक मिठास थी, एक अपना लहजा था और एक अपनापन था, लेकिन समय के साथ हर भाषा का standardization हुआ है, हिंदी का भी हुआ है और ऐसे ही पंजाबी का भी हुआ है। हमारे लिखने-पढ़ने की भाषा पंजाबी standardized हो गई है और उसके चलते हमारे जो डायलेक्ट्स हैं, हमारी जो लोकल बोलियां हैं, वे अलोप हो रही हैं, लुप्त हो रही हैं।

बच्चा जब जन्म लेता है, तो वह अपनी मां की बोली सीखता है, अपनी मातृभाषा सीखता है और वह डायलेक्ट में सीखता है, लेकिन जब स्कूल में जाता है तो वहां जाकर उसको एक स्टैंडर्ड भाषा में पढ़ाई करनी पड़ती है। मैं समझता हूं कि भारत सरकार ने और खास करके हमारे देश के आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस diverse कल्चर की अहमियत को बहुत अच्छे से पहचाना है और इसीलिए नई एजुकेशन पॉलिसी में क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाने का प्रोविजन किया है। मैं समझता हूं कि क्षेत्रीय भाषाओं में अगर पंजाबी की बात करूं, तो अगर एक टीचर बच्चे को उसकी बोली में नहीं समझाएगा, तो बच्चे को जल्दी समझ में नहीं आएगा। दुनिया में इस तरह के बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स हो चुके हैं। इस तरह का एक्सपेरिमेंट सिंगापुर में भी हुआ है, फिलीपींस में भी हुआ है कि खास करके प्राइमरी एजुकेशन में जब टीचर बच्चों को मातृभाषा में, लोकल डायलेक्ट में समझाने की कोशिश करता है, तो बच्चा बहुत जल्दी सीखता है। ऐसा भी एक्सपेरिमेंट हुआ है कि मेंटली रिटार्टेड बच्चों को पढ़ाने के लिए जब लोकल डायलेक्ट्स में टीचर ने प्रयत्न किया, तो उसके परिणाम बाकियों से बेहतर थे। मैं समझता हूं कि हमारी नई एजुकेशन पॉलिसी ने यह रास्ता खोल दिया है कि हम अपनी रीजनल लैंग्वेज में पढ़ाएं और मुझे खुशी है कि अब देश में STEM education, टेक्निकल एजुकेशन लोकल भाषा में दी जाएगी। यह आदरणीय प्रधान मंत्री जी का विज़न है कि वह लोकल भाषा में पढ़ाई जाएगी। इसके लिए मैं भारत सरकार को धन्यवाद भी देना चाहूंगा, लेकिन मेरे कुछ सुझाव हैं कि जब पढ़ाई के दौरान लोकल डायलेक्ट को प्रमोट करने के लिए प्रोविज़न किया जाए और इसके लिए जो हमारी 19,500 राष्ट्रीय लेवल पर बोलियां हैं, उनकी एक डिक्शनरी बनाई जाए। इसके साथ ही लोकल भाषाओं में जो लिटरेचर्स हैं ...(**समय की घंटी**)...

श्री उपसभापतिः माननीय सतनाम सिंह जी, आपका समय खत्म हो गया।

श्री सतनाम सिंह संधू : सर, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Satnam Singh Sandhu: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Shri R. Girirajan -- Need to take necessary steps to reduce the T&D losses and provide adequate financial support to develop state of art power infrastructure in Tamil Nadu with a reduced rate of interest.

Need to take necessary steps to reduce the T&D losses and provide adequate financial support to develop state of art power infrastructure in Tamil Nadu with a reduced rate of interest

SHRI R. GIRIRAJAN (Tamil Nadu): Sir, the peak electricity demand in Tamil Nadu is expected to touch 22,000 MW during summer and steps are being taken by the Government of Tamil Nadu to ensure uninterrupted supply. Recently, during Cyclone Fengal, a total of 12,265 electricity poles were damaged, but they were replaced in record time. Ahead of summer, the Tamil Nadu Electricity Board (TNEB) and TANGEDCO officials have identified overloading issues in 6,536 transformers across the State, of which 5,407 have already been fixed. Sir, 48 new substations have been installed to strengthen the power grid along with the proposal to commission 20 power substations throughout the State of Tamil Nadu to provide uninterrupted power supply.

According to the Load Generation Balance Report (LGBR) of the Southern Regional Power Committee (SRPC), Tamil Nadu's demand in April is expected to be 20,600 MW, against the availability of 21,488 MW, resulting in a surplus of 985 MW. But, in the evening, the requirement would be 20,700 MW as against the availability of 16,003 MW, leading to a deficit of 4,697 MW.

As per Economic Survey of India 2021, India's Transmission and Distribution (T&D) losses have been over 20 per cent of generation, which is more than twice the world average. If only the Government reduces the T&D losses, the power supply will see the brighter side. Tamil Nadu being one of the top industrial States in the country, its power supply and demand too is high and the per capita consumption too is on a higher side.

Therefore, I urge the Union Government to take all necessary steps to reduce the T&D losses and provide adequate financial support to develop state of art power infrastructure in Tamil Nadu with a reduced rate of interest. Thank you, Sir.